हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम की महिमा हो। आपका स्वागत है इस बाइबल अध्ययन में। हमारे परमेश्वर का वचन हमारे पथ के लिए दीपक और ज्योति है, जैसा लिखा है:

“तेरा वचन मेरे पांव के लिये दीपक, और मेरी बाट के लिये
उजियाला है।”
— भजन संहिता 119:105 (Hindi O.V.)

आइए हम इस गहरे सत्य से शुरुआत करें:

“इसलिये जब कि मसीह ने शरीर में दुःख उठाया, तो तुम भी उसी मनसा को ढाल बना लो; क्योंकि जिसने शरीर में दुःख उठाया है, उसने पाप से विश्राम पाया।”
— 1 पतरस 4:1 (Hindi O.V.)

इसका अर्थ है: शारीरिक दुख और आत्म-त्याग पाप से छुटकारा पाने

का मार्ग है।

लेकिन किसने शारीरिक रूप से दुख उठाया और वास्तव में पाप से अलग हो गया? किसके उदाहरण का हम अनुसरण कर सकते हैं?

वह कोई और नहीं, बल्कि हमारे प्रभु यीशु मसीह हैं। उन्होंने अपने शरीर में पीड़ा सही और पाप से पूर्ण रूप से अलग हो गए — ना कि अपने पापों के कारण (क्योंकि उन्होंने कभी पाप नहीं किया), बल्कि इसलिए क्योंकि हमारे पाप उनके ऊपर लादे गए। वह सारे संसार के पापों का बोझ उठानेवाले मसीहा बने।

“क्योंकि जो मरण वह मरा, वह पाप के लिये एक ही बार मरा; पर जो जीवन वह जी रहा है, वह परमेश्वर के लिये जी रहा है।”
— रोमियों 6:10 (Hindi O.V.)

यीशु मसीह मर गए, गाड़े गए और पापों को कब्र में छोड़कर पुनर्जीवित हुए। यही है पाप पर परम विजय!

अब हम कैसे उसी मार्ग पर चल सकते हैं?

पाप से छुटकारा पाने के लिए हमें भी आत्मिक रूप से दुख उठाना, मरना, और पुनरुत्थान का अनुभव करना होता है।

लेकिन क्योंकि कोई भी मनुष्य पूर्णतः वैसा नहीं कर सकता जैसा मसीह ने किया, इसलिए प्रभु ने इस मार्ग को हमारे लिए आसान बनाया — विश्वास के द्वारा।

जब हम यीशु पर विश्वास करते हैं, अपने पुराने स्वभाव का इनकार करते हैं और संसार से मुंह मोड़ते हैं — तब हम उसके दुख में भाग लेते हैं।

जब हम जल बपतिस्मा लेते हैं — सम्पूर्ण शरीर को जल में डुबोते हुए — तब हम मसीह के साथ मरते हैं।

और जब हम जल से ऊपर उठते हैं, तो हम मसीह के साथ पुनर्जीवित होते हैं।

“और बपतिस्मा में उसके साथ गाड़े भी गए; और उसी में तुम
विश्वास के द्वारा, जो परमेश्वर की शक्ति पर है जिसने उसे
मरे हुओं में से जिलाया, उसके साथ जी भी उठे हो।”
— कुलुस्सियों 2:12 (Hindi O.V.)

ये तीन कदम — आत्म-त्याग, जल बपतिस्मा, और नया जीवन — मसीह के दुख, मरण और पुनरुत्थान का प्रतीक हैं।

इसलिए यह वचन:

“जिसने शरीर में दुःख उठाया है, उसने पाप से विश्राम पाया।” — 1 पतरस 4:1 (Hindi O.V.)

हमारे जीवन में साकार हो सकता है।

“जो मसीह यीशु के हैं, उन्होंने अपने शरीर को उसके विकारों
और लालसाओं समेत क्रूस पर चढ़ा दिया है।”
— गलातियों 5:24 (Hindi O.V.)

फिर क्यों कई विश्वासी अब भी पाप में फंसे रहते हैं?

यदि आप यह महसूस करते हैं कि व्यभिचार, नशाखोरी, ईर्ष्या, घृणा, डाह, जादू-टोना या अन्य ऐसे पाप (जैसे गलातियों 5:19–21 में लिखे हैं) अब भी आप पर हावी हैं — तो यह संकेत है कि आपने अब तक अपने शरीर को मसीह के साथ क्रूस पर नहीं चढ़ाया है। इसलिए पाप अब भी आप पर अधिकार रखता है।

समाधान क्या है?

अपने आप का इनकार करो और प्रतिदिन अपना क्रूस उठाओ (मत्ती 16:24)

प्रभु यीशु के नाम में जल बपतिस्मा लो — सम्पूर्ण जल में डुबोकर

पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्राप्त करो

“पतरस ने उन से कहा, मन फिराओ, और तुम में से हर एक प्रभु यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लो, कि तुम्हारे पापों की क्षमा हो; तब तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे।”
— प्रेरितों के काम 2:38 (Hindi O.V.)

जब ये तीन बातें पूरी हो जाती हैं, तब पाप की शक्ति टूट जाती है — क्योंकि आप पाप के लिए मर चुके होते हैं।

“हरगिज नहीं! जो पाप के लिये मर गए, वे उसके अधीन कैसे जीवित
रह सकते हैं?”
— रोमियों 6:2 (Hindi O.V.)

कल्पना कीजिए कि कोई व्यक्ति बुखार से पीड़ित है, और जब वह सही दवा लेता है तो बुखार चला जाता है। इसी तरह, जो व्यक्ति सच में अपने आप का इनकार करता है और यीशु का अनुसरण करता है — वह पाप के इलाज की पहली गोली ले चुका होता है। दूसरी गोली है जल बपतिस्मा, और तीसरी है पवित्र आत्मा का बपतिस्मा।

“क्योंकि जो मरण वह मरा, वह पाप के लिये एक ही बार मरा; पर जो जीवन वह जी रहा है, वह परमेश्वर के लिये जी रहा है।
इसी प्रकार तुम भी अपने आपको पाप के लिये मरा, परन्तु
परमेश्वर के लिये मसीह यीशु में जीवित समझो।
इसलिये पाप तुम्हारे नाशवान शरीर पर राज्य न करे कि तुम
उसकी लालसाओं के अधीन रहो।”
— रोमियों 6:10–12 (Hindi O.V.)

प्रभु आपको आशीष दे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP....

Share on:
WhatsApp